



# भारत का यज्ञपत्र

## The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 219]

नई दिल्ली, बुधवार आर्ट 23, 1972/भाष्ट 1, 1894

No. 219] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 23, 1972/BHADRA 1, 1894

इस भाग में विशेष पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate pagln is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th August 1972

**G.S.R. 389(E).**—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules 1955, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), and after consultation with the Central Committee for Food Standards, is hereby published as required by sub-section (1) of section 23 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the 11th September, 1972.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the date so specified above shall be considered by the Central Government:

## DRAFT RULES

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Third Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Amendment of rule 1.**—In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in rule 1, in sub-rule (2), the words "except the State of Jammu and Kashmir" shall be omitted.

[No. P.15013/1/72-P.H.]

▲ B. MALIK, Jt. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

श्रीधरमूचनी

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1972

जी०ए०आ० ३८९(अ)।—खात्य अपमिशण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) कीधारा 23की उथारा (1) द्वागप्रदत्त शक्तियोंका प्रयोग करने हुए तथा खात्य मानकों की केन्द्रीय समिति से परामर्श करने के पश्चान् खात्य अपमिशण निवारण नियमावली, 1955 में और आगे संशोधन करने के बिचार से कतिपय नियमों के जिन्हें केन्द्रीय सरकार बनाना चाहती है, निम्नलिखित प्रस्तुत को, जैसा कि उसी अधिनियम की धारा 23 की उथारा (1) में शक्तिक्रिय होने की सम्भावना वाले अभी व्यक्तियों के मूलनार्थ एन्डडब्ल्यू प्रकाशित किया जाता है और एन्डडब्ल्यू यह नोटिस दिशा जाता है कि उक्त प्रस्तुत नियमों पर 1। सितम्बर, 1972 अवधारणके बाद विचार किया जायेगा।।

उक्त प्रस्तुत नियमों के प्रक्रिय में किसी भी व्यक्ति से जो अक्षय अवश्य सुझाय ऊर्जा विनिर्दिष्ट नियम से पूर्ण ग्राप्त होगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जायेगा:

नियमों का प्रारूप

1. सक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ:—(1) ये नियम खात्य अपमिशण निवारण (नूर्तीय संशोधन) नियमावली, 1972 कहे जायेगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की नियम से लागू होंगे।

2. नियम का संशोधन :—खात्य अपमिशण निवारण नियमावली, 1955 के नियम 1, उप-नियम (2) में “जम्मू व कश्मीर राज्य को छोड़कर” शब्दों को हटा दिया जाये।

[संख्या पी० 15013/1/72-जन स्वा०]

अमिय भूषण मलिक, मंत्रीकृत सचिव